University in News on 31 December 2019

Amar Ujala-Mv City Page 5

'सौ साल पुराने विवि का कुलपति बनना बड़ी जिम्मेदारी और सम्मान'

लविवि के नए वीसी प्रो. आलोक कुमार राय ने रात 9.30 बजे ग्रहण किया कार्यभार

माई सिटी रिपोर्टर

लखनऊ। लखनऊ विश्वविद्यालय के नवनियुक्त कुलपति प्रो. आलोक कुमार राय ने सोमवार रात साढ़े नौ बजे अपना कार्यभार ग्रहण कर लिया। इसके बाद उन्होंने कहा कि सौवें साल में प्रवेश कर चुके लखनऊ विश्वविद्यालय का कुलपति बनना बड़े सम्मान के साथ ही बड़ी जिम्मेदारी की बात भी है। विश्वविद्यालय के कार्यवाहक कुलपति और कुलसचिव शैलेश कुमार शुक्ला ने उनको नई जिम्मेदारी मिलने पर बधाई और भविष्य के लिए शुभकामनाएं दीं। इस मौके पर लखनऊ विश्वविद्यालय शिक्षक संघ के पदाधिकारियों के साथ ही अन्य शिक्षक और स्टाफ भी मौजूद रहा।

प्रो. आलोक कुमार राय ने कहा कि अभी वे विवि के बारे में ज्यादा कुछ नहीं जानते हैं, इसलिए ज्यादा कुछ बार में ज्यादा कुछ नहा जानत ह, इसालए ज्यादा कुछ नहीं कहेंगे, पर उनकी प्राथमिकता में विवि के सभी भाग होंगे। विद्यार्थी विवि के सबसे प्राथमिक और बड़ा भाग हैं, इसलिए इसपर उनका विशेष ध्यान होगा। इस काम में शिक्षकों का भी सहयोग लिया जाएगा। शिक्षक-कर्मचारी या अन्य भागों पर भी उतना ही ध्यान दिया जाएगा। लविवि के नियमित कुलपति प्रो. सुरेंद्र प्रताप सिंह का कार्यकाल समाप्त होने के बाद 12 नवंबर को कुलसचिव शैलेश कुमार शुक्ला को कुलपति पद का अतिरिक्त कार्यभार दिया गया था। इसके बाद से वे दोहरी जिम्मेदारी निभा रहे थे। राजभवन ने 28 दिसंबर को प्रो. राय को लविवि का कुलपति नियुक्त किया था। प्रो. राय ने सोमवार को अपना कार्यभार ग्रहण कर लिया। वे अगले तीन साल तक अपने पद पर रहेंगे।

लखनऊ विश्वविद्यालय में सोमवार रात नए वीसी प्रो. आलोक कुमार राय का स्वागत करते कार्यवाहक कुलपति और कुलसचिव शैलेश कुमार शुक्ला।

आठ बजे से लगा रहा जमावड़ा

लविवि कुलपति के सोमवार को ही ज्वॉयन करने की सूचना पर रात आठ बजे से कुलपति कार्यालय पर चहल-पहल बढ़ गई। शिक्षक-कर्मचारियों के साथ ही कुछ छात्र भी नये कुलपति के स्वागत में तैयार थे। सड़क मार्ग से आ रहे कुलपति को आने में थोड़ी देर हुई। हर गाड़ी को उनकी समझकर गार्ड भी स्वागत में मुस्तैद हो जाते। यह सिलसिला रात जै बजकर 25 मिनट तक चलता रहा।

रात में ज्वॉइन किया ताकि अगले दिन सुबह से शुरू कर सकूं काम

कुलपति ने बताया कि वे कार्यभार ग्रहण प्रक्रिया रात में ही पूरी करना चाहते थे। रात को कार्यभार ग्रहण करने के बाद मंगलवार से वे तय समय से ऑफिस आकर अपना काम शुरू कर पाएंगे। मंगलवार को ज्वॉइन करने पर उन्हें आधा दिन इसी में बर्बाद करना पड़ता।

राज्यपाल के निर्देश पर समाज के साथ एकीकरण पर होगा जोर

कुलपति का कार्यभार ग्रहण करने के बाद प्रो. राय ने कहा कि राज्यपाल आनंदीबेन पटेल चाहती हैं कि विश्वविद्यालयों का समाज के साथ एकीकरण हो। विवि समाज से अलग-थलग न रहें बल्कि साथ मिलकर चलें। उनकी मंशा के हिसाब से लखनऊ विश्वविद्यालय को समाज से जोड़ने का प्रयास किया जाएगा।

तीन साल पहले पीएचडी वाइवा लेने लविवि आए थे प्रो. राय

प्रो. राय ने बताया कि वे इससे पहले करीब तीन साल पहले लविवि आए थे। लविवि के प्रबंधन विभाग के पीएचडी वाइवा लेने के समय उन्होंने सिर्फ विभाग का भ्रमण ही किया था। उस समय वे पूरा विश्वविद्यालय नहीं घूम सके थे।

NBT Page 7

'स्टूडेंट्स की सुविधाएं प्राथमिकता'

एलयू के नए वीसी प्रो. आलोक राय ने सोमवार रात 9:30 बजे ग्रहण किया कार्यभार

■ **एनबीटी, लखनऊ :** लखनऊ विश्वविद्यालय के कुलपति के रूप में प्रो. आलोक कुमार राय ने सोमवार को रात 9.30 बजे कार्यभार ग्रहण कर लिया। कार्यवाहक कुलपति एसके शुक्ला से चार्ज लेने के बाद नए वीसी प्रो. आलोक ने कहा कि विश्वविद्यालय को समाज से जोड़ना है साथ ही समन्वय बनाकर चलना है। कुलाधिपति भी यही चाहती हैं। विश्वविद्यालय को आगे बढ़ाने के लिए शिक्षकों, कर्मचारियों से लेकर सभी का सहयोग जरूरी है। वीसी ने कहा कि स्टूडेंट्स उनकी प्राथमिकता में हैं। उनकी समस्याओं का निस्तारण प्राथमिकता के आधार पर करने का प्रयास किया जाएगा।

इस अवसर पर लूटा अध्यक्ष डॉ. नीरज जैन, महामंत्री डॉ. विनीत वर्मा, उपाध्यक्ष एए इस्लाही और डॉ. गुलाम नबी ने भी प्रो. आलोक का स्वागत कर उन्हें बधाई दीं। प्रो. आलोक कुमार राय बनारस हिन्दू यूनिवर्सिटी (बीएचयू) में इंस्टिट्यूट ऑफ मैनेजमेंट स्टडीज में प्रफेसर के पद पर तैनात थे।

नए वीसी प्रो. आलोक राय ने कार्यवाहक कुलपति एसके शुक्ला से लिया चार्ज।

रजिस्ट्रार के आदेश के बिना मानदेय नहीं

■ **एनबीटी, लखनऊ :** लखनऊ विश्वविद्यालय (एलयू) के सेल्फफाइनैंस कोर्सों में निदेशक से लेकर गेस्ट लेक्चरार तक के मानदेय का भुगतान रजिस्ट्रार के आदेश के बिना नहीं होगा। इस संबंध में सोमवार को कार्यवाहक कुलपति एसके शुक्ला ने सभी डीन और विभागों को आदेश जारी कर दिया।

कार्यवाहक वीसी ने जारी किया आदेश

एलयू के सेल्फफाइनैंस कोर्स में कई बार को-ऑर्डिनेटर, कर्मचारियों और गेस्ट लेक्चरार की नियुक्तियां विभाग अपने स्तर से कर लेता है, जबकि नियम के मुताबिक, इनकी नियुक्तियों का आदेश रजिस्ट्रार कार्यालय से ही जारी होना चाहिए, लेकिन कई बार चहेतों को लाभ पहुंचाने के लिए मनमाने तरीके से नियुक्ति कर ली जाती हैं। अब कार्यवाहक वीसी एसके शुक्ल ने इस पर रोक लगा दी है।

Dainik Jagran Page 6

नए वीसी प्रो . आलोक कुमार राय ने संभाला कार्यभार

लखनऊ विश्वविद्यालय

जागरण संवाददाता, लखनऊ : बनारस हिंदू विश्वविद्यालय से आए प्रो. आलोक कुमार राय ने सोमवार रात लखनऊ विश्वविद्यालय के कुलपति का पदभार ग्रहण कर लिया।

कार्यवाहक कुलपति एसके शुक्ला ने पुष्पगुच्छ देकर उनका सम्मान किया और उन्हें कार्यभार ग्रहण कराया। नए कुलपति ने कहा कि विवि को समाज से जोड़ना और छात्रों की समस्याएं दूर करना उनकी पहली प्राथमिकता है। नवागंतुक वीसी प्रो. आलोक कुमार ने मीडिया से बातचीत के दौरान कहा कि किसी भी विवि के विकास के लिए सबसे अहम बात शिक्षकों और कर्मचारियों को साथ लेकर चलना है। सब जब साथ होंगे और कड़ी मेहनत करेंगे तभी हम विकास की राह में आगे बढ़ेंगे। मेरी पहली प्राथमिकता यहां के छात्र हैं, उनकी जो भी समस्याएं होंगी उनका निस्तारण करूंगा। विवि में बीते दिनों क्या हुआ, इसके विषय में मैं अभी कुछ नहीं कहूंगा।

यहां आया हूं पहले सभी स्थितियों को एक बार समझकर तब आगे बढ़ूंगा। विवि और समाज के बीच समन्वय स्थापित करना यही मेरी पहली प्राथमिकता है और यही महामहिम की मंशा है। लूटा अध्यक्ष प्रो. नीरज जैन, महामंत्री विनीत वर्मा, प्रवक्ता संजय मेधावी समेत अन्य लोग मौजूद रहे।

लखनऊ विवि में कार्यभार ग्रहण करते नवागत कुलपति आलोक कुमार राय ● जागरण

बोले-विश्वविद्यालय को समाज से जोड़ना और छात्रों की समस्याएं पहली प्राथमिकता, करेंगे मेहनत तभी होंगे विकास की राह पर आगे